पंजाब केसरी 23/12/2025

गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में राष्ट्रस्तरीय वैबीनार आयोजित

- **कार्यक्रम में 100 से भी अधिक विद्यार्थियों ने रामानुजन की गणित के क्षेत्र में उपलब्धियों को जाना**
- **महान गणितज्ञ का गणित में योगदान अतुल्य है, जिसका संपूर्ण विश्व सदा ऋणी रहेगा : डा. रोहित दत्त**

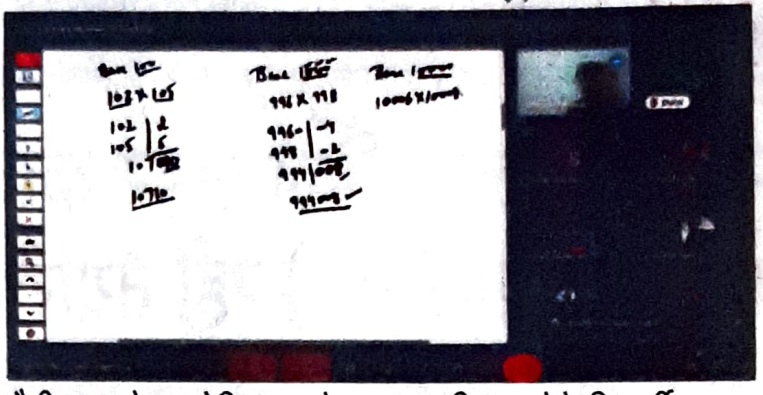

वैबीनार को सम्बोधित करते वक्ता व हिस्सा लेते विद्यार्थी।

अम्बाला, 22 दिसम्बर (बलराम): गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज, अम्बाला छावनी में राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर कॉलेज प्राचार्य डा. रोहित दत्त के दिशा-निर्देशन में रविवार को ऑनलाइन राष्ट्रस्तरीय वैबीनार का सफल आयोजन किया गया। यह आयोजन जी.एम. कॉलेज के गणित विभाग द्वारा नेता जी सुभाष चंद्र बोस मैमोरियल गवर्नमैंट कॉलेज, हमीरपुर हिमाचल प्रदेश के सहयोग से गूगल मीट के माध्यम से किया गया। कॉलेज के गणित विभाग के प्रो. डा. राजेश सैनी इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के आरम्भ में कार्यक्रम की कोऑर्डिनेटर प्रो. शिवानी निझावन ने वैबीनार में उपस्थित सभी विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार ने भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती को चिन्हित करने के लिए हर साल 22 दिसम्बर को राष्ट्रीय गणित दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की और तभी से हर वर्ष आज के दिन को राष्ट्रीय गणित दिवस के रूप में मनाया जाने लगा।

कॉलेज प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने कहा कि महान गणितज्ञ रामानुजन का गणित में योगदान अतुल्य है, जिसका संपूर्ण विश्व सदा ऋणी रहेगा। कॉलेज के गणित विभाग की विभागाध्यक्षा एवं कार्यक्रम की संयोजिका डा. पिंकी ने कहा कि कॉलेज में हर वर्ष राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष में गणित पर आधारित प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। उन्होंने बताया कि रामानुजन को आधुनिक काल के महानतम गणित विचारकों में गिना जाता है। इन्हें गणित में कोई विशेष प्रशिक्षण नहीं मिला, फिर भी इन्होंने विश्लेषण एवं संख्या सिद्धांत के क्षेत्रों में गहन योगदान दिए।

गवर्नमैंट कॉलेज हमीरपुर के गणित विभागाध्यक्ष एवं संजोयक डा. संजय कांगो ने बताया कि गणित के जादूगर रामानुजन ने गणित के लगभग साढ़े 3 हजार सिद्धांत बनाए थे, किंतु टी.बी. जैसी भयावह बीमारी के कारण उन्होंने मात्र 32 वर्ष की अल्प आयु में ही दुनिया को अलविदा कह दिया। लेकिन उनके अतुलनीय योगदान के लिए गणितीय इतिहास में उनका नाम हमेशा के लिए अमर हो गया। इसके साथ उनकी असाधारण प्रतिभा के लिए उन्हें पाश्चात्य विद्वानों आर्किमिडीज, कार्ल फ्रैडरिक गौस और लियोनहार्ड यूलर के बराबर का दर्जा मिला हैं।

मुख्य वक्ता डा. राजेश सैनी ने बताया कि श्रीनिवास रामानुजन पर ब्रिटिश लेखक रॉबर्ट कनिगेल ने उनके जीवन पर एक किताब भी लिखी है जिसका नाम द मैन हू न्यू इनफिनिटी, लाइफ ऑफ द जीनियस रामानुजन है। वहीं उनकी जीवनी के ऊपर वर्ष 2015 में एक फिल्म भी बन चुकी है, जिसका नाम भी इस किताब पर ही आधारित है। उन्होंने गणित विषय से जुड़े सभी विद्यार्थियों को अपने खाली समय में इस पुस्तक को पढ़ कर रामानुजन के जीवन से सीख लेने की बात कही।

डा. राजेश सैनी ने वैदिक गणित के महत्वपूर्ण सूत्रों से सभी विद्यार्थियों को अवगत करवाया और बताया कि किस प्रकार वैदिक गणित के माध्यम से हम गणित की कठिन से कठिन समस्या को हल कर कर सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि वैदिक गणित गणना की एक प्राचीन प्रणाली है, जिसमें गणितीय समस्याओं को आसान और तेज तरीके से हल करने के लिए तकनीकों और सूत्रों का संग्रह शामिल है। इसमें 16 सूत्र शामिल हैं जो सूत्र हैं और 13 उप सूत्र जो उप सूत्र हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों ने वैदिक गणित के न केवल महत्वपूर्ण सूत्रों को समझा, बल्कि मुख्य वक्त से प्रश्न भी पूछे और उनके उत्तर भी प्राप्त किए। कार्यक्रम की सह संयोजिका प्रो. सुजाता गोयल ने कहा कि कॉलेज के गणित विभाग द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार के ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहेगा। इस कार्यक्रम में लगभग 100 से भी अधिक विद्यार्थियों ने भाग ले रामानुजन की गणित के क्षेत्र में उपलब्धियों को जाना और वैदिक गणित के कुछ महत्वपूर्ण सूत्रों को सीखा।

इस अवसर पर प्रो. अर्चना जैन, प्रो. सृष्टि कपूर एवं सह संयोजक डा. निर्मल सिंह सहित शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक विभाग के कई सदस्य विशेष रूप से उपस्थित रहे।